शिक्षक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 06-08-2020 वर्ग - B.A-I

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

objective

2. [illegible] व्यापार (No-Trade) की तुलना में मुक्त व्यापार से किसी देश को [illegible] तथा उपभोग के लाभ होते हैं।

3. व्यापार से लाभ का परिमाण अ-व्यापार से हुए मूल्य परिवर्तन के परिमाण से स्वतंत्र होता है।

5. मान लिजिए पाकिस्तान भारत समेत अपने पड़ोसी देशों के साथ FTA (मुक्त व्यापार क्षेत्र) का निर्माण करता है। और इस FTA के निर्माण से पूर्व, पाकिस्तान विशेष प्रकार के जवाहरात दक्षिण अफ्रीका से आयात किया करता था लेकिन अब उन्हें भारत से आयात करता है। इसे व्यापार विपथन कहा जाता है।

104. 1. एक देश का भुगतान संतुलन हमेशा शून्य के बराबर होता है।
2. यदि देश का भुगतान संतुलन लेखा घाटा है तो इसका वित्तीयन विदेशी रूप से आरक्षित निधि में परिवर्तन करके, दीर्घावधि पूंजी संचलन अथवा दीर्घावधि ऋण ग्रहण द्वारा किया जाना चाहिए।

105. "Gold Tranche" (रिजर्व ट्रन्श) निर्दिष्ट करता है → IMF द्वारा इसके सदस्यों के प्रदत्त एक साख प्रणाली को।

106. WTO के प्रावधानो के अन्तर्गत → एक देश या देश समूह द्वारा प्रकरण दर्ज किए जाने पर विवाद निपटारा निकाय को प्रकरण दर्ज किए जाने की तिथि से 15 माह के अन्दर अभिमत (अपीलों समेत) लेना होता है।

107. टोबिन कर → विदेशी विनिमय के लेन-देन पर कर है।

108. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार अंतक्षेत्रीय व्यापार की एक विशिष्ट दशा है। यह कथन किस अर्थशास्त्री का है → ओहलिन।

109. विश्व बैंक की स्थापना हुई → 1947 में

110. भुगतान संतुलन हमेशा रहता है → संतुलित।

111. किसी देश के आयात तथा निर्यात के अन्तर को क्या नाम दिया जाता है → व्यापार संतुलन

112. स्टोपलर-सैम्युलसन प्रमेय के अनुसार प्रशुल्क लगाने पर अभाव वाले साधन की वास्तविक आय → बढ़ती है।

113. बन्द अर्थव्यवस्था है → जो किसी अन्य देशो से कोई आर्थिक संबंध न रखता हो।

114. व्यापार की शर्तों को निम्न प्रकार बताया जा सकता है → व्यापार की शर्तें = $\frac{\text{निर्यात मूल्य}}{\text{आयात मूल्य}}$

115. श्रम विभाजन के आधार पर एक देश को उस वस्तु का उत्पादन करना चाहिए जिसमें उत्पादन लागत —— न्यूनतम हो।

116. कौन सी मद भुगतान संतुलन की क्रेडिट प्रविष्टि नहीं है → विदेशों में विनियोग। हस्तांतरण भुगतान, वस्तुओं का निर्यात, सेवाओं का निर्यात → क्रेडिट प्रवृष्टि है।

अवशोषण विधि के प्रतिपादक थे → अलेक्जेंडर।
लागत में किसी देश को पूर्ण विशिष्टीकरण निम्न स्थितियों में प्राप्त हो सकता है → लागत समता की स्थिति में।
119. व्यापार की शर्तें उस देश के पक्ष में होंगी जिसकी निर्यात एवं आयात की मांग की लोच → अधिक हो।
120. स्वतंत्र व्यापार नीति के समर्थक थे → रिकार्डो, मिल, स्मिथ।
121. विदेशी विनिमय दर का अवमूल्यन भुगतान संतुलन पर अनुकूल प्रभाव डालता है जबकी विनिमय दर के अधिमूल्यन का भुगतान संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव होगा। यदि देश के निर्यातो और आयातों की मांग की लोच इकाई से अधिक हो।। यह कथन है → मार्शल, लर्नर।
122. किसी परिस्थिति में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संभव और लाभप्रद है 1. लागतो में पूर्ण अन्तर 2. लागतो में तुलनात्मक अन्तर।
123. किसी देश की प्रस्ताव वक्र सरल रेखा होगी जबकी निर्यात के लिए इसकी शर्तें का मूल्य लोच → असीमित हो।
124. वस्तु के आयात तथा निर्यात पर लगाया गया मात्रात्मक नियंत्रण कहलाता है → कोटा।
125. लियोन्टिफ विरोधाभास अमेरिका के संदर्भ में निम्न लिखित देता है → अमेरिका द्वारा श्रमगहन वस्तुओं का निर्यात एवं पूंजीगहन वस्तुओं का आयात करना।
126. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष अपने सदस्यों को निम्न उद्देश्य के लिए सहायता देता है → अल्पकालीन भुगतान असंतुलन असाम्य को ठीक करने के लिए।
127. निम्न में से कौन सा विदेशी विनिमय बजार का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है → विदेशी व्यापार को साख प्रदान करना।
128. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ तब होता है जबकी दोनों देशो में उत्पादन संभावना रेखा का ढाल निम्न प्रकार होता है → असमान ढाल।
129. कागजी स्वर्ण है → एस. डी. आर.
130. तुलनात्मक लागत का सिध्दान्त किस पर आधारित है → मूल्य का श्रम सिध्दान्त।
131. यदि आयातो की मांग लोचदार है तो आयात मूल्य में वृध्दि होने से आयात में → कमी होगी।
132. अदृश्य व्यापार में शामिल होता है → पर्यटन
133. विश्व बैंक को इस नाम से भी जाना जाता है → अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण तथा विकास बैंक।
134. घरेलू मुद्रा और एक बाह्य मुद्रा के बीच विनिमय दर बराबर होता है → विदेशी चलन मुद्रा की एक इकाई का मूल्य आंतरिक चलन मुद्रा में

[illegible] रूप से आयात होते हैं → अधिक महंगे।
वाणिज्यवादियों के संबंध में निम्न में से कौन कथन सत्य है →
1- वे स्वतंत्र व्यापार के विरोधी थे।
2- वे आयातों के अपेक्षा निर्यात का अधिक समर्थन करते थे।
3- ~~सम्पत्ति~~ सम्पति का मान दंड स्वर्ण भंडार होता है।
137- भुगतान शेष को परिभाषित किया जाता है कि यह एक देश के निश्चित अवधि में शेष संसार से होने वाले व्यवहारों का एक संक्षिप्त ब्योरा है यहाँ पर भुगतान शेष का तात्पर्य है
1. चालू खाते से 2. पूंजी खाते से 3. सरकारी आरक्षित खाते से।
138. यदि एक देश A दूसरे देश B की अपेक्षा दोनों वस्तुए, X और Y का कम उत्पादन लागत पर उत्पादन करता है तो → दोनो देशों के बीच व्यापार होगा तथा देश A व्यापार से लाभ अधिकतम करने हेतु केवल एक ही वस्तु का उत्पादन और निर्यात करेगा।
139. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, विकास का एक इंजन है। यह कथन किसका है → हैबरलर का।
140. 'वस्तुए गतिशील हैं क्योंकि साधन गतिशील नहीं हैं।' यह कथन है → डेविड रिकार्डो।
141. जैकब वाइनर के नाम संबंध → व्यापार की स्काल साधन शर्तें।
142. कौन सा अर्थशास्त्री तटकर संघ के विचार से जुड़ा है → जैकब वाइनर, बेला-बलासा, पाल-सेम्युलसन।
143. WTO का मुख्यालय स्थित है → जेनेवा।
144. दो देश A तथा B के मध्य समान मात्रा में पूंजी एवं श्रम से वस्तु X तथा Y का उत्पादन निम्न प्रकार से होता है-

देश	वस्तु की इकाईयां	
	X	Y
A	5	2
B	1	1

ये देश उत्पादन में कि प्रकार विशिष्टता प्राप्त करेगा तथा व्यापार करेगें → देश A, X वस्तु व देश B, Y वस्तु के उत्पादन में विशिष्टता प्राप्त करेगें।
145. प्रतिकूल भुगतान सन्तुलन को ठीक करने के लिए निम्न उपायों में से कौन सा उपाय मौद्रिक नहीं है → आयात प्रतिबंध।
146. रिकार्डो द्वारा अपनाई गयी निम्न मान्यताओ में से हैबर्लर ने कौन सी मान्यता छोड़ दी है → दोनों देशों की उत्पादन लागतें श्रम